नए पाठ्यक्रमानुसार

द्वितीय संस्करण

पतवार

- संदीप पाटिल

आई.बी.डी.पी. के लिए

हिन्दी - बी

(मानक तथा उच्च स्तर)

प्रश्नपत्र - २

श्रवण एवं वाचन के लिए

आई.बी.डी.पी. केलिए

हिन्दी - बी

प्रश्नपत्र - २

(श्रवण एवं लेखन पर आधारित)

पतवार

द्वितीय संस्करण

नए पाठ्यक्रमानुसार

संदीप पाटिल

प्रकाशक
सुवर्णा संदीप पाटिल
भगवती परा मेन रोड,
शिवाजी चौक
राजकोट - 360003

द्वितीय संस्करण - 2018

© COPYRIGHT
ALL RIGHT RESERVED

सर्वाधिकार सुरक्षित
संदीप शिवाजी पाटिल
राजकोट - 360003
की लिखित पूर्वानुमति के बिना
इस पुस्तक के किसी भी भाग
का पुनर्प्रकाशन या किसी भी माध्यम
से संचार वर्जनीय है।

ISBN : 978-168454305-2

ग्राफिक्स तथा आर्टवर्क
नेमि ग्राफिक्स, राजकोट

मुद्रक
सुवर्णा संदीप पाटिल
राजकोट - 360003
मो. 09723350798

आई.बी.डी.पी. हिंदी–भाषा के उद्देश्यों के साथ *'पतवार'* के विविध विभागों का जुड़ाव –

मार्गदर्शक प्रश्न/ कविता या उक्तिः इस विभाग के अंतर्गत आपको प्रत्येक उपविभाग की समझ विकसित करने मौका प्राप्त होगा।

प्रस्तावित गतिविधि (Suggeseted Activity) : इस विभाग के अंतर्गत आपको विषय के अनुसार विविध गतिविधियो के जानकारी प्राप्त होगी।

प्रस्तावित सहायक सामग्री (Suggeseted Resources) : इस विभाग के अंतर्गत आपको विषय को समझने हेतु सहायक सामग्री की जानकारी प्राप्त होगी।

IT Intergration : इस विभाग के अंतर्गत आपको विषय से संबंधित सामग्री खोज़ने में सहायता प्राप्त होगी।

CAS :
इस विभाग के अंतर्गत आपको पढ़ाई का सामाजिक कार्यो के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए परियोजना कार्य के विषयों पर आधारित जानकारी उपलब्ध होगी।

TOK :
'ज्ञान का सिद्धांत' इस विभाग के अंतर्गत आपको इस विषय से संबंधित अध्ययन के लिए विविध विषय प्राप्त होंगे।

संशोधन :
इस विभाग के अंतर्गत आपको साहित्य तथा अन्य विषय पर आधारित विविध विषयों के बारे में जानकारी दी जाएँगी।

चर्चा : (सामाजिकता, प्रश्नकर्ता, समीक्षात्मक, चिंतन)
चर्चा विभाग के माध्यम से छात्र पाठांश को माध्यम बनाकर कक्षा के सामने अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

शब्द–सागर : (प्रश्नकर्ता, चिंतन)
पाठांश में आए हुए कठिन शब्दों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कर छात्र एक ही शब्द का विविध स्थानों पर प्रयोग करने से उनमें किस प्रकार अर्थ परिवर्तन होता हैं। उसके बारे में जानने का प्रयास करेंगे तथा शब्दों का अर्थ जानेंगे।

मौखिक अभिव्यक्ति : (चिंतन, व्यक्तिगत नज़रिया, संवाद कर्ता, समीक्षात्मक, आत्माभिव्यक्ति)
इस विभाग के अंतर्गत पूछे गए सवालों पर छात्र कक्षा के सामने अपने विचार वाद–विवाद तथा अन्य विधाओं के माध्यम से व्यक्त कर सकेंगे।

लेखन : (संशोधन, स्व–अध्ययन)
इस विभाग के अंतर्गत छात्र लेखन पर आधारित विविध प्रकार के अभ्यास का कार्य करेंगे।

पाठ्यक्रम के बारे में.....

आई.बी.डी.पी. के नए पाठ्यक्रम की रचना पाँच विषयों को ध्यान में रखकर की गई है। वे विषय हैं– पहचान (Identities), अनुभव (Experiences), मानवीय सरलता (Human Ingenuity), सामाजिक संरचना (Social Organization) और धरती के प्रति अपना योगदान (Sharing the planet) ।

पतवार

मूल्यांकन की रूपरेखाः (उच्च स्तर)

पतवार

प्रश्नपत्र 2 का अंक तथा समय के अनुसार वर्गीकरण।

पाठ्यक्रम विषय–वस्तुः

पटवार

TOK – Theory of Knowledge (ज्ञान का सिद्धांत)

आपको किसी विषय के बारे में कितनी जानकारी है। यह आप किस प्रकार से जानेंगे ?

पत्रकार

सी.ए.एस. Creativity, Action and Service (रचनात्मक कार्य के साथ समाज सेवा)

Extended Essay – EE (विस्तृत निबंध)

पतवार

अनुक्रमणिका

विभाग–1 लेखन पर आधारित

इकाई 1 001

अ. पहचान

1. जीवनशैली 002

अ. फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप से सेहत को ऐसे पहुँचता है नुकसान

आ. मिला चेहरे के हाव भाव का फॉर्मूला

2. स्वास्थ्य और सुख–सुविधा 007

3. धारणा और मान्यताएँ 012

4. उपसंस्कृतियाँ 017

5. भाषा और पहचान 022

प्रतिवार

इकाई 2 028
अ. अनुभव
1. फुरसत के समय की जाने वाली गतिविधियाँ 029
2. छुट्टियाँ और यात्रा 036
3. दैनिक जीवन से जुड़ी कहानियाँ 041
4. धार्मिक आचार-विचार 047

पतवार

5. रीति-रिवाज़ और परंपराएँ 052

6. प्रवास या स्थानान्तरण 060

इकाई 3 065
अ. मानवीय सरलता
1. मनोरंजन 066

2. कलात्मक हावभाव 071

3. संचार माध्यम 075

4. तंत्रज्ञान 080

5. वैज्ञानिक नवोन्मेष 085

इकाई 4 091
अ. सामाजिक संरचना
1. सामाजिक संबंध 092

पतवार

2. समाज 097

3. सामाजिक जुड़ाव 101

4. शिक्षा 105

5. कार्यरत विश्व 110

6. कानून और सुव्यवस्था 116

पत्रकार

इकाई 5 121
अ. धरती के प्रति अपना योगदान
1. पर्यावरण 122
2. मानवीय अधिकार 127
3. शांति और संघर्ष 130
4. समानता 133
5. वैश्विकरण 138
6. नैतिकता 142

7. ग्रामीण तथा नगरीय परिवेश 147

इकाई 6
1 अभ्यास हेतु प्रश्नपत्र 153
(मानक स्तर के विद्यार्थियों के लिए)

2. अभ्यास हेतु प्रश्नपत्र 172
(उच्च स्तर के विद्यार्थियों के लिए)

विभाग–2 श्रवण पर आधारित

इकाई 1 194
अ. पहचान
1. जीवनशैली 194
2. स्वास्थ्य और सुख–सुविधा
3. धारणा और मान्यताएँ 194
4. उपसंस्कृतियाँ 197
5. भाषा और पहचान 199
201

इकाई 2 202
अ. अनुभव
1. फुरसत के समय की जाने वाली गतिविधियाँ 205
2. छुट्टियाँ और यात्रा 207
3. दैनिक जीवन से जुड़ी कहानियाँ 208
4. धार्मिक आचार–विचार 212
5. रीति–रिवाज़ और परंपराएँ 214
6. प्रवास एवं स्थानान्तरण 216

इकाई 3 **218**
मानवीय सरलता

1. मनोरंजन 218
2. कलात्मक हावभाव 219
3. संचार माध्यम 221
4. तंत्रज्ञान 223
5. वैज्ञानिक नवोन्मेष 224

इकाई 4 **226**
सामाजिक संरचना

1. सामाजिक संबंध 226
2. समाज 229
3. सामाजिक जुड़ाव 231
4. शिक्षा 233
5. कार्यरत विश्व 235
6. कानून और सुव्यवस्था 239

इकाई 5 **243**
धरती के प्रति अपना योगदान

1. पर्यावरण 243
2. मानवीय अधिकार 246
3. शांति और संघर्ष 248
4. समानता 251
5. वैश्विकरण 255
6. नैतिकता 257
7. ग्रामीण तथा नगरीय परिवेश 259

इकाई 6

1. अभ्यास हेतु प्रश्नपत्र **262**
(उच्च स्तर के विद्यार्थियों के लिए)

2 अभ्यास हेतु प्रश्नपत्र **277**
(मानक स्तर के विद्यार्थियों के लिए)

इकाई–1

पहचान

पहचान इस विषय–वस्तु को विस्तार से समझने के लिए उसे पाँच उपविभागों में बाँटा गया हैं।

एक व्यक्ति की पहचान किन बातों पर निर्भर होती है? इस सवाल के जवाब में हम कह सकते हैं कि व्यक्ति की पहचान उसकी जीवन शैली, स्वास्थ्य, धारणा और मान्यताओं, संस्कृति या फिर भाषा पर आधारित होती हैं।

विषय–वस्तु	मार्गदर्शक तत्व	वैकल्पिक अनुशंसित विषय	मार्गदर्शक प्रश्न

उपविभाग 1
जीवनशैली

मार्गदर्शक प्रश्नः

1. **क्या विविध संचार माध्यम हमारी जीवन शैली के अभिन्न अंग बन चुके हैं?**
2.
3.

अ. फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप से सेहत को ऐसे पहुँचता है नुकसान

(X)

स्मार्टफोन्स के इस दौर ने लोगों की सामाजिकता को काफ़ी नुकसान पहुँचाया है। सोशल मीडिया के तमाम विकल्पों के बहुत ज़्यादा इस्तेमाल की वजह से लोगों में अकेलेपन और अलगाव की भावना काफ़ी तेज़ी से अपना स्थान बनाती जा रही है। दुनिया भर में लोग भारी मात्रा में फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर काफ़ी समय बिता रहा है। उनकी यह आदत उनके लिए काफ़ी नुकसानदेय साबित हो रही है। अनिद्रा, तनाव, अकेलापन और अवसाद जैसी चीज़ें सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल के दुष्प्रभावों में शामिल हैं। आज हम आपको सोशल मीडिया के कुछ नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताने वाले हैं। जिसे जानना आपकी सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है।

क्या सोशल मीडिया की वजह से हम समाज से कट रहे हैं?

(1) सोशल मीडिया पर दूसरे के अकाउंट्स खँगालते, दूसरों के फेसबुक पोस्ट्स देखते हम अपने आपकी तुलना उससे करने की आदत से अछूते नहीं रह पाते। ऐसे में यह आपको अपनी क्षमताओं पर संदेह करने की ओर लेकर जाता है। इससे आप अपने आत्मविश्वास में कमी महसूस करने लगते हैं। द इंडिपेंडेंट वेबसाइट द्वारा करवाए गए एक सर्वे में यह पाया गया कि बहुत से फेसबुक यूजर ईर्ष्या, जलन या डाह जैसी आदतों के शिकार हो गए थे।

(2) मनुष्य के सामाजिक प्राणी होने की घोषणा तमाम विद्वान कर चुके हैं। सोशल मीडिया के दौर में हमारी सामाजिकता बहुत बुरी तरह प्रभावित हुई है। लोगों से मिलना-जुलना और उनसे संपर्क साधे रखना हमारे लिए बेहद ज़रूरी है। लेकिन सोशल मीडिया के ज़्यादा इस्तेमाल की वजह से हम लोगों से दूर होते जा रहे हैं। फेसबुक से बाहर दोस्ती बनाने और लोगों से संपर्क स्थापित करने में हमारी दिलचस्पी कम होती जा रही है।

(3) अपने जीवन की हर खास घटना की तस्वीर हर कोई लेना चाहता है। इन तस्वीरों को फेसबुक पर अपलोड कर अपने खास वक्त की यादों को सहेजने की कोशिश रहती है। लेकिन इससे हम अपने जीवन के उस खास वक्त को पूरी तरह जीने से चूक जाते हैं। खास लोगों के साथ बिताए वक्त में काफ़ी वक्त हम तस्वीरें लेने में गँवा देते हैं।

शब्द-सागर

अवसाद, दुष्प्रभाव, ईर्ष्या, डाह, स्थापित।

साभारः जनसत्ता

अभ्यास 1

दी गई सूची में से वाक्य के उचित अंत का चुनाव कर वाक्य पूर्ण कीजिए।

उदाहरणः

स्मार्टफोन्स ने काफ़ी नुकसान पहुँचाया है..... [च]

1. दूसरों से तुलना करने की आदत आपको..... [ ]
2. विद्वानों के अनुसार मनुष्य..... [ ]
3. सोशल मीडिया के ज़्यादा प्रयोग से हम..... [ ]

क. एक सामाजिक प्राणी है।
ख. अकेलेपन को।
ग. लोगों से दूर हो रहे हैं।
घ. दूसरों से अछूते नहीं रहने देती।
च. लोगों की सामाजिकता को।
छ. से संपर्क साधे रखना आवश्यक है।
ज. अपने आप पर संदेह करने की ओर ले जाती है।
झ. ज़्यादा संबंध स्थापित कर पा रहे हैं।

अभ्यास 2

दी गई सूची में से उचित शीर्षक का चुनाव कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

उदाहरणः

(X) [छ]

4. (1) [ ]
5. (2) [ ]
6. (3) [ ]

क. अकेलापन।
ख. सोशल मीडिया और हम।
ग. सामाजिक संबंध।
घ. सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव।
च. तस्वीरे और सोशल मीडिया।
छ. सेहत और सोशल मीडिया।
ज. यादें जोड़ने का साधन।
झ. आत्मविश्वास में कमी।

अभ्यास 3

अधोरेखित किए गए शब्द किसका और कौन-सा संदर्भ दे रहे हैं। उत्तर के लिए गद्यांश में दिए गए शब्दों का प्रयोग कीजिए।

उदाहरणः <u>उनकी</u> यह आदत उनके लिए काफ़ी नुकसानदेय साबित हो रही है। (पंक्ति 4)

..... **लोगों की** .....

1. <u>जिसे</u> जानना आपकी सेहत के लिए बेहद ज़रूरी है। (पंक्ति 7)
2. हम अपने आपकी तुलना <u>उससे</u> करने की आदत से अछूते नहीं रह पाते। (पंक्ति 10)
3. सोशल मीडिया के दौर में <u>हमारी</u> सामाजिकता बहुत बुरी तरह प्रभावित हुई है। (पंक्ति 14)
4. <u>इन</u> तस्वीरों को फेसबुक पर अपलोड कर अपने खास वक्त की यादों को सहेजने की कोशिश रहती है। (पंक्ति 21)

सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

1. आलेख की विषय-वस्तु -

[ ]
क. सोशल मीडिया।
ख. सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव।
ग. मानव और सामाजिकता।
घ. अकेलापन और समाज।

अभ्यास 1

नीचे दिए गए वाक्य सही या तो गलत हैं। गद्यांश में दी गई जानकारी का प्रयोग करते हुए सही विकल्प पर निशान लगाकर उसका औचित्य लिखिए। औचित्य और सही का निशान लगाना दोनों कार्य करना आवश्यक है।

	सही	गलत
उदाहरण : भारत में अतिथियों का स्वागत करने की सीख दी जाती है। **औचित्यः भारत में मेहमान को देवता का रूप माना जाता है।**	✓	
1. अमरीका के हवाई द्वीप पर सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना कानूनी है।		
2. हवाई द्वीपों पर सैर के लिए हर साल लाखों सैलानी दुनिया भर से पहुँचते हैं।		
3. हवाई को सांस्कृतिक रूप से अलग रखने की ज़रूरत महसूस की गई।		
4. 'अलोहा' शब्द में हमें एक-दूसरे से सलीके से पेश आने का तरीका नज़र आता है।		
5. 'अलोहा स्पिरिट लॉ' के अनुसार लोगों को दूसरे के साथ सही बर्ताव करना अनिवार्य नहीं है।		
6. शांति और भाईचारे की ज़रूरत के लिए अलोहा अस्तित्व में आया है।		

अभ्यास 2

अधोरेखित किए गए शब्द किसका और कौन-सा संदर्भ दे रहे हैं। उत्तर के लिए गद्यांश में दिए गए शब्दों का प्रयोग कीजिए।

उदाहरणः लेकिन अगर कोई **ऐसा** नहीं करता है। (पंक्ति 6)

..... **अच्छा बर्ताव** .....

1. **जहाँ** कानूनी तौर पर खुशअख़लाक़ होना ज़रूरी है। (पंक्ति 8)
2. **सभी** का खूब आदर-सत्कार किया जाता है। (पंक्ति 11)
3. ये महज एक शब्द नहीं है। (पंक्ति 15)
4. हालाँकि, 1986 तक **इसे** आधिकारिक रूप से लागू नहीं किया गया था। (पंक्ति 33)
5. अमन पसंद हवाई लोगों ने **उससे** छुटकारा पा लिया। (पंक्ति 48)

अभ्यास 3

सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

1. जानकारी की विषय-वस्तु -
   - ( ) क. भारतीय संस्कृति की विशेषता बताना।
   - ख. लोगों से मेल-जोल बढ़ाना।
   - ग. अलोहा के बारे में जानकारी देना।
   - घ. हवाई द्वीप की संस्कृति के बारे में जानकारी देना।

अभ्यास 1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. तुक्तोयकतुक की किस्मत किसने बदल दी?
2. पंक्ति 20 से 24 के मध्य 'सुनसान' से संबंधित शब्द को ढूँढ़िए।
3. कुछ लोगों के अनुसार हाइवे का निर्माण किस वजह से किया गया हैं?

अभ्यास 2

पाँच सही वाक्यों का चुनाव कीजिए।

घ

क. 'तुक्तोयकतुक' गाँव का क्षेत्र उत्तरी ध्रुव के करीब है।
ख. 'तुक्तोयकतुक' गाँव केवल सर्दियों में बर्फ से ढका रहता है।
ग. 'तुक्तोयकतुक' गाँव मेकेंजी नदी के डेल्टा के नज़दीक बसा है।
घ. मौसम गर्म होने पर तुक्तोयकतुक के लोग व्हेल पालते हैं।
च. लोमड़ी और भेड़ों का इस्तेमाल स्लेज करने के लिए किया जाता है।
छ. सर्दी के मौसम में जानवरों का सामना इंसान से होता है।
ज. हाइवे का निर्माण साठ करोड़ कनाडियन डॉलर की लागत से हुआ है।
झ. सर्दी के मौसम में यहाँ के लोगों का दुनिया से संपर्क टूट जाता है।
ट. सर्दी के मौसम में नदियों में कश्तियों की मदद ली जाती है।
ठ. परंपरा और संस्कृति बनाए रखने के लिए हाइवे एक ताकतवर ज़रिया है।
ड. रेन्डियरों के शिकार के लिए स्थानीय लोग खास तकनीक का प्रयोग करते हैं।
ढ. बदलाव को प्रत्येक व्यक्ति स्वीकार करता है।

अभ्यास 3

नीचे दिए गए वाक्यों को पूर्ण करने के लिए उचित शब्द का प्रयोग कीजिए। सही शब्द का प्रयोग करने के लिए पंक्ति 8 से 45 में से सहायता प्राप्त करें।

उदाहरणः भयंकर ठंड की वजह से ज़िंदगी का अहसास कराते है .... जंगली जानवर .....

1. ज़िंदगी बहुत कठिन है .....
2. इलाके का रखवाला .....
3. इनुवीयालुईट समाज के लोगों के लिए ये हाई–वे का होना .....
4. हाई–वे बनने से संस्कृति .....
5. घुमंतो समाज के लिए हाई–वे की वजह से .....

TOK

यात्रा के दौरान भाषा और संस्कृति में किस प्रकार से बदलाव आता है? क्या भाषा और संस्कृति दोनों आपस में जुड़े हुए हैं?

श्रवण कौशल

इकाई–1

पहचान

1. जीवनशैली

अभ्यास 1

पतवार

प्रश्नपत्र

अभ्यास 1

अभी आप प्रतिभाशाली लेखिका किरण मरनाल के साथ संवाददाता की बातचीत को सुनेंगे। नीचे दिए गए वक्तव्यों में से सही वक्तव्य पर चिह्न लगाइए।

वाक्यांश	किरण	संवाददाता	किरण और संवाददाता	
1. हमारे देश की विभिन्न भाषाओं के खजाने की अहमियत को समझना समय की ज़रूरत है।	☐	☐	☐	[1]
2. फिक्शन और गैर-फिक्शन दोनों में कुल मिलाकर आठ किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं।	☐	☐	☐	[1]
3. हमें अपनी भाषाओं की प्रचुरता पहचानने और इसकी सराहना करने की ज़रूरत है।	☐	☐	☐	[1]
4. भाषाओं के बीच का अंतर कम करने के लिए हमें अनुवाद का सहारा लेना होगा।	☐	☐	☐	[1]
5. अपने मंच पर से वे गंभीर सामाजिक मुद्दों को उठाती हैं।	☐	☐	☐	[1]

अभ्यास 2

अभी आप स्त्री-पुरुष समानता पर आधारित एक रिपोर्ट को सुनेंगे। रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। रिक्त स्थान पूर्ति हेतु तीन से अधिक शब्दों का प्रयोग न करें।

6. पति घर लौटने के बाद यह मान लेता है कि पति के पाँव दबाना पत्नी का ..... है। [1]

7. दैनिक रूप से आदमी और औरत को ..... का कितना समय मिलता है? [1]

8. महिलाओं के मुकाबले आदमी को ..... ज़्यादा फुरसत का समय मिलता है। [1]

9. घर और घर के आसपास काम करने के लिए औरतों को कोई ..... नहीं मिलता। [1]

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

10. कौन-से समय का उत्पादकता से कोई लेना-देना नहीं है? [1]

.....

11. सर्वे के अनुसार सबसे ज़्यादा फुरसत किनके पास होती है? [1]

.....

12. अमेरिका में कौन-सा सर्वे नियमित तौर पर किया जाता है? [1]

.....

13. बच्चे पैदा होने के बाद – [1]

.....

सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

14. आलेख का विषय हैं – [1]

अ. स्त्री-पुरुष समानता।
ब. स्त्री-पुरुष के मध्य फुरसत का समय।
क. स्त्रियों पर होने वाला अन्याय।

15. औरतों का ज़्यादातर समय – [1]

अ. बच्चों के पालन-पोषण में बीतता है।
ब. चाहरदीवारी में बीतता है।
क. अधिक काम करने में बीतता है।

अभ्यास 3

अभी आप सोशल मीडिया पर मनोवैज्ञानिकों के विचारों को सुनेंगे।

16. पाँच सही वाक्यों का चुनाव कीजिए। **[5]**

क. मोबाइल फोन ने रिश्तों को जुड़ने का एक नया मंच दिया है।
ख. मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रियों के अनुसार मैसेंजर के दोनों पक्ष समाज के लिए हितकारी हैं।
ग. मैसेंजर सामाजिक संभावनाओं के रास्ते में बाधा खड़ी कर रहा है।
घ 44 फीसदी नौजवानों को मैंसेजर के ज़रिए संवाद करना असुविधाजनक लगता है।
च. सोशल मीडिया का प्रयोग करने वाले नौजवान अपने आपको समाज से कटा हुआ मानते हैं।
छ. इंटरनेट के सोशल नेटवर्किंग की वजह से सामाजिक ताना-बाना बिखर रहा है।
ज. सोशल मीडिया हमें यह अहसास देता है कि हम एक बड़े समाज का हिस्सा है।
झ. रेबेका बीकेन के अनुसार सामाजिक अलगाव स्वास्थ्य के हिसाब से अच्छा होता है।
ट. पश्चिमी देशों में 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एक मैंसेजर बनाया है।
ठ. 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बनाए गए इस मैंसेजर का सभी ने स्वागत किया है।

सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

17. समाजशास्त्रियों के अनुसार बच्चे – [1]
    - अ. मैंसेजर के ज़रिए आसानी से संबंध स्थापित कर सकते हैं।
    - ब. एक–दूसरे के साथ और अपने परिवार के साथ खेलकर बड़े हो।
    - क. सोशल मीडिया का प्रयोग करें।

18. नई पीढ़ी के संवाद के रास्ते – [1]
    - अ. मैंसेजर के माध्यम से खुलते हैं।
    - ब. बड़ों से बातचीत के माध्यम से खुलते है।
    - क. आपसी संवाद के माध्यम से खुलते है।

19. मैंसेजर हमारे जीवन में – [1]
    - अ. पुराने आयाम छीनने आया था।
    - ब. नए आयाम जोड़ने आया था।
    - क. रिश्तों का महत्त्व समझाने आया था।

20. नई पीढ़ी के नौजवानों की अपने पड़ोसियों बात करने की संभावना पिछली पीढ़ी के मुकाबले – [1]
    - अ. 20 प्रतिशत तक कम हो गई।
    - ब. 20 प्रतिशत तक बढ़ गई।
    - क. कोई अंतर नहीं आया।

21. लेख का विषय हैं – [1]
    - अ. सोशल मीडिया के नुकसान।
    - ब. सोशल मीडिया और युवा।
    - क. सोशल मीडिया और उसके आयाम।

पतवार

‘पतवार’ प्रश्नपत्र–2 का निर्माण आई.बी.डी.पी. ‘हिन्दी–बी’ के मानक तथा उच्च स्तर के नए पाठ्यक्रम को आधार मानकर किया गया है।

पतवार : एक विहंगम दृष्टि

1. प्रश्नपत्र–2 के समग्र अभ्यासक्रम (श्रवण तथा लेखन) का समावेश।
2. आई.बी.डी.पी. द्वारा निर्धारित पाँचों विषय–वस्तुओं का उनके उपविषयों के साथ समावेश।
3. छात्रों के वाचन अभ्यास के लिए विविध विषयों पर आधारित लेख, सूचना, ब्लॉग रिपोर्ट, निबंध का समावेश किया गया है। जिससे छात्र भाषा के विविध रूपों को जान सकेंगे।
4. प्रत्येक विषय–वस्तु के आरंभ में विषय–वस्तु की समझ हेतु मार्गदर्शक प्रश्न, उक्ति, कविता, प्रस्तावित सहायक सामग्री, आई.टी. इंटिग्रेशन तथा प्रस्तावित गतिविधियों का समावेश।
5. छात्रों में स्व–अध्ययन तथा व्यक्तिगत नज़रिए के विकास हेतु परियोजना कार्य तथा संशोधन कार्य का समावेश।
6. छात्रों के चिंतन तथा संवाद कौशल का विकास करने हेतु मौखिक अभिव्यक्ति तथा चर्चा नामक स्तंभों का निर्माण।
7. छात्रों में रचनात्मकता, सामाजिकता तथा वैश्विक दृष्टिकोण का निर्माण करने हेतु C.A.S. तथा T.O.K. नामक स्तंभों का निर्माण।
8. मानक तथा उच्च स्तर के छात्रों को ध्यान में रखकर सामग्री तथा प्रश्नपत्रों का निर्माण।
9. छात्रों के श्रवण तथा लेखन के अभ्यास हेतु पर्याप्त मात्रा में अभ्यास कार्य।
10. छात्रों के स्व–अध्ययन की जाँच के लिए प्रश्नपत्र–2 की मार्गदर्शिका अलग से उपलब्ध।

पतवार की शृंखलाएँ

₹ 1250.00
$ 19.00

ISBN 978-168454305-2
9 781684 543052

Log in : www.patvar.in
patilsandips89@gmail.com